अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

प्रिय शेयरधारको,

मुझे 31 मार्च, 2010 का तुलन-पत्र तथा 31 मार्च, 2010 को समाप्त वर्ष के लिए लाभ एवं हानि लेखों के साथ बैंक की वार्षिक रिपोर्ट आपको प्रस्तुत करते हुए प्रसन्न्ता हो रही है.

पृष्ठभूमि

वर्ष 2009-10 भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सामान्यत: पुनरुत्थान का वर्ष रहा. उच्च स्तरीय लोच दर्शाते हुए, भारतीय अर्थव्यवस्था पिछले वित्त वर्ष की मंदी से उभरी और अभी भी मंदी की स्थिति में रहनेवाली अंतर्राष्ट्रीय प्रवृत्ति के विरुद्ध आगे बढी. वित्तीय एवं मौद्रिक दोनों ही नियामकों ने सकारात्मक रवैया अपनाया और अर्थव्यवस्था की मंदी समाप्त हुई तथा अर्थव्यवस्था पुन: विकास के पथ पर अग्रसर हो गयी. यद्यपि वर्ष 2009-10 में मानसून कम हुआ और कृषि क्षेत्र पर उसका विपरीत प्रभाव पडा, फिर भी भारतीय अर्थव्यवस्था ने प्रगति की गति पकड़ी जिससे 2009-10 के दौरान 7.2% वृद्धि दर का आकलन किया गया जबकि 2008-09 में वह वृद्धि दर 6.7% थी. वर्ष के दौरान प्राप्त वृद्धि दर से, मंदी की अवधि के दौरान सरकार द्वारा घोषित राहत पैकेज समाप्त करने के बारे में चर्चा हुई.

अर्थव्यवस्था में विकास की पुन:प्राप्ति से मुद्रास्फीति बढी. मुद्रास्फीति आरंभ में खाद्यान्नों तथा अन्य कृषि उत्पादों में आपूर्ति में विलंब के कारण आरंभ हुई और धीरे-धीरे अन्य क्षेत्रों में भी फैल गयी. अंतर्राष्ट्रीय तेल की कीमतों में निरंतर घटबढ़ मुद्रास्फीति के लिए अनुकूल नहीं है.

बैंकिंग क्षेत्र

वर्ष के दौरान बैंकिंग उद्योग सहित देश की वित्तीय प्रणाली ने अनुशासित रूप में कार्य किया. सरकारी क्षेत्र के बैंकों के लिए मध्यम अवधि की संभावित आस्तियों के वित्तीयन के लिए पूंजी आधार मजबूत करना प्रमुख विषय बना रहा. वर्ष के दौरान सरकारी क्षेत्र के तीन बैंकों ने पूंजी सहायता प्राप्त की और 2010-11 के दौरान कई बैंक ऐसी सहायता प्राप्त करने की अपेक्षा रखते हैं. आपके बैंक ने भी अगले तीन वर्ष के दौरान चरणबद्ध रूप में पूंजी के द्वारा रुपये 1300 करोड़ की मांग के लिए भारत सरकार, वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया है और वह भारत सरकार के सक्रिय विचाराधीन है.

मार्च 2010 के अंत में अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की कुल जमा राशियों में 17% की वृद्धि हुई जबकि मार्च 2009 के अंत में वह वृद्धि 18.8% थी. अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों के गैर खाद्य ऋण मार्च 2009 के अंत में 17.5% की तुलना में मार्च 2010 के अंत में 16.7% थे. पिछले वर्ष के दौरान बैंकिंग उद्योग के पास अतिरिक्त तरलता बनी रही जो कि एक चिंता का विषय था और उससे संपूर्ण बैंकिंग प्रणाली का लाभ प्रभावित हुआ.

आपके बैंक का निष्पादन

पूरे वर्ष के दौरान बैंक के पास अतिरिक्त तरलता बने रहने के कारण आपके बैंक ने भी निवल ब्याज आय पर दबाव का अनुभव किया. मुझे यह सूचित करते हुए खुशी होती है कि दबाव के बावजूद, बैंक ने अपनी ब्याज दरों और तरलता की स्थिति की निरंतर समीक्षा करके इस चुनौती का सामना किया. बैंक की बेंचमार्क प्रमुख उधार दर (बी.पी.एल.आर.) 12.5% थी, जो कि पूरे वर्ष के दौरान बनी रही और निवल ब्याज आय को प्रभावित होने से रोका जा सका.

मैं कुछ ऐसे क्षेत्रों के बारे में बताना चाहूंगा जिनमें 2009-10 के दौरान आपके बैंक ने अच्छा निष्पादन दर्शाया है.

Dear Shareholders,

I have great pleasure in presenting to you the Annual Report of the Bank along with the Balance Sheet as at 31st March, 2010 and Profit and Loss Account for the year ended 31st March, 2010.

The Backdrop

The year 2009-10 was by and large a year of revival of the Indian economy. Exhibiting a high degree of resilience, the economy overcame the recessionary trends that had characterized the previous fiscal and also swam against the international trends that continued to be recessionary. Both the fiscal and monetary regulators showed optimism that the worst was over and the economy had started its journey back towards growth. Though the year 2009-10 also witnessed deficient monsoon and its adverse impact on agricultural sector, the Indian economy still managed clear momentum in recovery, with the GDP growth for 2009-10 estimated at 7.2%, up from 6.7% recorded in 2008-09. The momentum achieved during the year has led to discussions on 'Exit Policy', the reference to exit being from the financial stimulus packages announced by the Government of India during the period of recession.

Alongside the recovery has risen the specter of inflation. Inflation initially started as a supply side issue mainly in the food grains and other agricultural segments has gradually spread to other sectors as well. Continuing volatility in international oil prices does not augur well for the future in the context of inflation.

Banking Sector

The financial systems in the country including the banking industry have behaved in an orderly manner during the year. As for public sector banks, strengthening the capital base was a major issue to support the anticipated asset growth in the medium term. Three public sector banks received capital support during the year with many more in line to receive such support during 2010-11. Your Bank has also submitted proposal to Government of India , Ministry of Finance requesting for infusion of Rs. 1300 crores by way of Capital in phased manner in next three years, and the same is under active consideration with Government of India .

The growth in aggregate deposits of SCBs was 17% at end-March 2010 as compared to 18.8% as at end-March 2009. Non-food credit by SCBs was moderated to 16.7%, at end-March 2010 in comparison with 17.5% at end March 2009. During the last year, the Banking Industry was having access liquidity, which was a concern and impacted the margins for the banking system as a whole.

Your Bank's Performance

Your Bank also continued to experience pressure on its Net Interest Income, mainly on account of excess liquidity with the Bank through out the year. Despite the pressures, I am happy to inform that the Bank has overcome this challenge by constantly reviewing its interest rates and liquidity position. The Bank's benchmark prime lending rate (BPLR) stood at 12.50% which continued at same level throughout the year and thus contain the impact on NIM.

I would like to touch upon some areas where your Bank has performed well during 2009-10.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

कारोबार वृद्धि और आय अर्जन

बैंक का कुल कारोबार अर्थात् कुल जमाराशियां एवं कुल अग्रिम मार्च 2009 में रु.72236 करोड़ से बढकर मार्च 2010 में 20.52% की वृद्धि दर्ज करते हुए, रु. 87066 करोड तक पहुंच गये. वर्ष के दौरान कुल जमा राशियां 19.26% की वृद्धि के साथ रु.43051 करोड़ से बढकर, पहली बार रु.50000 करोड की सीमा पार करते हुए, रु.51344 करोड तक पहुंच गईं. वर्ष के दौरान कुल अग्रिम 22.39% वृद्धि के साथ रु.29185 करोड़ से बढकर रु.35721 करोड़ तक पहुंच गये.

2009-10 के दौरान कुल जमाराशियों में कासा जमाराशियों का अंश बढकर 36.89% हो गया जबकि पिछले वर्ष की इसी अवधि में वह 35.97% था. वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान कासा जमाराशियों में 23% की वृद्धि हुई.

वर्ष के दौरान लघु मध्यम उद्यम, रिटेल तथा कृषि क्षेत्रों में जोखिम विभाजन पर बल देते हुए महत्वपूर्ण क्षेत्रों को ऋण विस्तार जारी रहा. मार्च 2010 को रिटेल ऋण 21.61% वृद्धि के साथ रु.5380 करोड़ रहे, एम.एस.एम.ई. ऋण 18 .26% की वृद्धि के साथ रु.5647 करोड़ रहे जबकि कृषि क्षेत्र के ऋण 25.32% की वृद्धि के साथ रु.4826 करोड़ तक पहुंच गये.

वर्ष 2009-10 के लिए बैंक की कुल आय 18.60% वृद्धि के साथ रु.4599 करोड़ तक पहुंच गयी जिसमें रु.4010 करोड़ ब्याज आय तथा रु.589 करोड़ ब्याजेतर आय शामिल है. ब्याज आय में 16.33% की वृद्धि दर्ज हुई.

बट्टे खाते डाले गये खातों में वसूली, सरकारी कारोबार से कमीशन आय तथा तीसरे पक्ष के उत्पादों के वितरण से आय पर ध्यान देने की बैंक की योजना के अच्छे परिणाम रहे, जिससे ब्याजेतर आय में 36.85% वृद्धि हुई. बैंक ने बट्टे खाते डाले गये खातों में वसूली में 25.24% की शानदार वृद्धि दर्ज की है.

मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी होती है कि इन प्रयासों से तथा बैंक के सभी कर्मचारियों द्वारा किये गये कठोर प्रयासों से बैंक का निवल लाभ रु.422.66 करोड़ से बढकर वर्ष 2009-10 के दौरान रु.511.25 करोड़ हो गया. वर्ष 2008-09 के दौरान हुई वृद्धि 17.47% की तुलना में इस वर्ष के दौरान यह वृद्धि 20.96% रही. मुझे यह घोषणा करते हुए खुशी होती है कि बैंक के निदेशक मंडल ने पिछले वर्ष के 12% लाभांश के समक्ष 20% के बेहतर लाभांश की संस्तुति की है.

आस्ति गुणवत्ता

ऋणों में जोखिमों के वितरण को ध्यान में रखते हुए बैंक के ऋण और निवेश संविभाग अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में विभाजित हैं. आस्तियों के अनर्जक होने की शीघ्र जानकारी प्राप्त करने तथा अपेक्षा के अनुसार सुधार के उपाय करने के लिए एक प्रभावी साख निगरानी प्रणाली कार्यरत है. तथापि, वर्ष के दौरान समग्र आर्थिक वातावरण से अनेक उद्योगों के निष्पादन तथा आर्थिक गतिविधियों पर प्रभाव पड़ा, जिसके फलस्वरूप बैंक की सकल गैर निष्पादक आस्तियां सीमांत वृद्धि के साथ रु.621 करोड़ से बढ़कर रु.642 करोड़ हो गयीं. निवल अग्रिमों के प्रतिशत में बैंक का निवल एन.पी.ए. सीमांत वृद्धि के साथ 1.09% से बढ़कर 1.23% हो गया. भारतीय रिज़र्व बैंक के संशोधित दिशानिर्देशों के अनुसार प्रावधान कवरेज अनुपात 31 मार्च, 2010 को 78.61% था.

नये पूंजी पर्याप्तता मानदंड

आपके बैंक ने 31.03.2009 को नए पूंजी पर्याप्तता मानदंड, जिसे "बेसल II मानदंड"

Business Growth and Earnings

The total business of the Bank i.e. total deposits plus gross advances increased from Rs. 72236 crore in March 2009 to Rs. 87066 crore in March 2010, registering a growth of 20.52%. The total deposits had increased by 19.26% from Rs. 43051 crore to Rs. 51344 crore during the year, crossing the milestone of Rs. 50000 crore for the first time. The total advances increased by 22.39% during the year, up from Rs. 29185 crore to Rs. 35721 crore.

The share of CASA deposits to Aggregate Deposits during 2009-10 increased to 36.89% from 35.97% in the corresponding previous year. CASA Deposits increased by 23% during the Financial Year 2009-10.

The thrust areas for credit expansion, with emphasis on risk dispersal continued to be on SME, retail and agriculture sectors. Retail loans stood at Rs. 5380 crores, up by 21.61%, MSME loans stood at Rs. 5647 crores showing an increase of 18.26% while loans to agriculture sector grew by 25.32% and stood at Rs. 4826 crores as at March 2010.

The total income of the Bank for the year 2009-10 grew by 18.60% to Rs. 4599 crores comprising of Rs. 4010 crores as interest income and Rs. 589 crores as non interest income. Interest income recorded a growth of 16.33%.

The Bank's strategy of concentrating on recoveries in written off accounts, commission income from government business and referral income from distribution of third party products etc. had yielded good results, leading to a growth of 36.85% by way of non interest income. The Bank has registered an impressive growth of 25.24% in recoveries in written-off accounts.

I am privileged to announce that as a result of the above and the strenuous efforts put by all employees of the Bank, the Net Profit of the Bank has increased from Rs. 422.66 crores to Rs. 511.25 crores during the year 2009-10. This represents an increase of 20.96% during the year in comparison to an increase of 17.47% during 2008-09. I am happy to announce that the Board of Directors of the Bank have recommended an enhanced dividend of 20% as against 12% for the previous year.

Asset Quality

Your Bank's credit and investments portfolios are well diversified with a view to scatter the inherent risks involved by spreading the risk over various sectors and industries of the economy. An effective Credit Monitoring System is also in place to identify and track borderline assets early and initiate corrective steps as required. However, the overall economic scenario had affected performance of many industries and economic activities during the year and as result, the Gross Non-performing Assets of the Bank marginally increased from Rs. 621 crore to Rs. 642 crore. Despite this increase, Gross NPA of the Bank as a per cent of Gross Advances came down from 2.13% to 1.80%. Net NPA of the Bank as a per cent of Net Advances marginally increased from 1.09% to 1.23%. The Provision Coverage Ratio as per revised RBI guidelines stood at 78.61% as at 31st March, 2010.

New Capital Adequacy Norms

Your Bank had embraced the New Capital Adequacy frame work

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

कहा जाता है, अपना लिए हैं. बेसल II के अंतर्गत बैंक की पूंजी पर्याप्तता 31.03.2009 को 12.07% की तुलना में 31.03.2010 को 12.77% थी.

सतत बढ़ता दायरा

बैंकिंग जैसे सेवा उद्योग में शाखाओं की संख्या विकास निर्धारण का एक प्रमुख मानदंड है. वर्ष के दौरान 39 नयी शाखाओं के खुलने के साथ ही 2009-10 के अंत में बैंक की पारंपरिक शाखाओं की संख्या 1223 थी. समग्र रूप में बैंक ने 24 राज्यों और 4 केंद्र शासित प्रदेशों में अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी है. बैंक को 104 शाखाएं खोलने के लाइसेंस प्राप्त हुए, जिनमें से मई 2010 तक बैंक ने 39 शाखाएं खोल दी हैं और शेष शाखाएं जुलाई 2010 के अंत तक खोल दी जाएंगी. बैंक के एटीएमों में 2 बायोमेट्रीक एटीएम भी शामिल हैं, जो कि बैंक की वित्तीय समावेशन योजना का भाग है. 31.03.2010 को बैंक ने 396 एटीएम स्थापित कर दिए थे जिसमें से 295 एटीएम शाखा स्थल पर हैं और 101 एटीएम ग्राहकों की सुविधा के लिए अन्य स्थानों पर स्थित हैं.

मानव संसाधन

मानव संसाधन के माध्यम से ही बैंक ग्राहकों के साथ संपर्क कर सकता है और उद्योग में कठोर प्रतियोगिता के समक्ष, काउंटरों पर कुशल ग्राहक सेवा ही सफलता की कुंजी है. बैंक ने सभी स्तर के कर्मचारियों की क्षमता के उन्नयन पर अपने प्रशिक्षण संस्थानों तथा प्रतिष्ठित बाहरी संस्थानों के माध्यम से प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं, सेमिनारों आदि के माध्यम से विशेष ध्यान देना जारी रखा. 2009-10 के दौरान बैंक ने 103 नए अधिकारी भर्ती किए, जिनमें विभिन्न विशेषज्ञ श्रेणी के अधिकारी जैसे साख, विदेशी मुद्रा, सूचना तकनीक, विपणन, कार्मिक आदि शामिल हैं. अधिकारियों की गुणात्मक ऋण प्रदान करने की क्षमता में वृद्धि के लिए दो माह का विशेषज्ञ गहन साख प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है और इस क्षेत्र में 133 अधिकारियों को विशेष रूप से प्रशिक्षित किया गया.

वर्ष के दौरान 177 कार्यपालकों / अधिकारियों को विभिन्न कार्यात्मक, प्रबंधकीय, नेतृत्व और मानव संबंध क्षेत्रों में बाहरी प्रशिक्षण के लिए नामित किया गया.

प्रौद्योगिकी द्वारा रूपांतरण

मानव संसाधन के साथ प्रौद्योगिकी कारोबार वृद्धि की प्रमुख अभिप्रेरक है. सभी शाखाओं को कोर बैंकिंग प्लेटफार्म के अंतर्गत लाने के लिए बैंक ने अपनी देना गरिमा परियोजना को सफलता पूर्वक पूर्ण किया है. इसके अतिरिक्त कोर बैंकिंग का पूर्ण उपयोग करने के लिए जनशक्ति का उपयुक्त उपयोग तथा परिचालन लागत को कम करने के लिए कारोबार प्रक्रिया का पुनर्गठन आरंभ किया है.

ग्रामीण पहल तथा वित्तीय समावेशन

2009-10 के दौरान कमजोर वर्गों तथा अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जन जाति को बैंक के ऋण प्रवाह में क्रमश: 40.19% तथा 24.99% की वृद्धि दर्ज हुई. बैंक ने वित्तीय समावेशन तथा अब तक बैंकिंग सुविधाओं से वंचित परिवारों को बैंकिंग सुविधाएं प्रदान करने की प्रक्रिया तेज की है. वर्ष 2009-10 के दौरान बैंक ने 2.06 लाख सादे खाते (देना अल्प बचत खाते) खोले हैं और इसके साथ ही 31.03.2010 को इन खातों की कुल संख्या बढ़कर 5.73 लाख हो गई है. आगे बैंक ने वर्ष के दौरान 2736 भूमिहीन किसान क्रेडिट कार्ड तथा 2542 देना सामान्य क्रेडिट कार्ड जारी किए. वर्ष के दौरान बैंक ने पालनपुर, मेहसाणा, भुज तथा सिलवासा में साख परामर्श केंद्र भी खोले. इन केंद्रों को "देना मित्र" नाम दिया गया है.

more popularly called “Basel – II Norms” as at 31st March, 2009. The Capital Adequacy of the Bank as at 31st March, 2010 stood at 12.77% under Basel – II in comparison to 12.07% as at 31st March, 2009.

Ever expanding Outreach

In a service industry like banking, the number of service outlets is a key parameter that determines growth. The traditional distribution channels of the Bank stood at 1223 as at the end of 2009-10 with the opening of 39 more Branches during the year. In all, the Bank has set its footprint in 24 States and 4 Union territories. The Bank got licenses to open 104 branches out of which till May 2010 Bank has opened 39 Branches and the remaining Branches will be opened by end of July 2010. The Bank’s ATMs include two Bio metric ATMs that form part of the Bank’s strategy for financial inclusion. As at 31st March, 2010, the Bank had an installation base of 396 ATMs comprising of 295 on-site ATMs and 101 Off-site ATMs for the convenience of customers.

Human Resources

Human resources forms your Bank’s interface with its customers and efficient customer service across the counters is the key to succeed against tough competition in the industry. The Bank continued to focus on skill upgradation of employees at all levels through training programmes, workshops, seminars etc., both through the Bank’s training set up and reputed external training set-ups. The Bank also recruited 103 new officers during 2009-10 including various areas of specialization like Credit, Forex, IT, Marketing, Personal etc. For enhancing the lending skills of the officers, a specialized intensive credit training of two months duration is being conducted and 133 officers are specially groomed in this area.

During the year 177 Executives / Officers were deputed for external training program in different functional, managerial, leadership and behavioural areas.

Transformation through Technology

Technology along with Human Resources is the main catalyst for growth. The Bank successfully completed its Dena Garima project for bringing all branches under Core Banking platform. Besides, to harvest the full benefits of core banking, the Bank has also implemented many initiatives for Business Process Reengineering aimed both at optimal utilization of man-power and reducing operational costs.

Rural Initiatives and Financial Inclusion

The Bank’s credit flow to weaker sections and SC/STs had registered growth of 40.19% and 24.99% respectively during 2009-10. The Bank has taken various steps to gear up for financial inclusion and to hasten the process of bringing families into the banking fold, which were hitherto, not availing of banking facilities. During the year 2009-10, the Bank opened 2.06 lacs no frill accounts (Dena Alpa Bachat Khata) and the total number of these accounts stood at 5.73 lacs as on 31st March, 2010. Further, the Bank also issued 2736 Bhoomiheen Kisan Credit Cards and 2542 Dena General Credit Cards during the year. During the year, the Bank has also opened Credit Counseling centers at Palanpur, Mehsana, Bhuj and Silvassa. These centers are christened as Dena Mitras.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी

ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (आरसेटी)

देना बैंक ने ग्रामीण विकास में विभिन्न क्रियाकलापों के लिए रू.50 लाख की आरंभिक पूंजी के साथ एक सोसायटी की स्थापना की है जिसका नाम है देना ग्रामीण विकास संस्थान (डीआरडीएफ). उसके पश्चात् डीआरडीएफ ने गुजरात तथा छत्तीसगढ़ में अपने अग्रणी जिलों में 11 ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी स्थापित किए हैं. इन 11 आरसेटी में से वित्त वर्ष 2009-10 के दौरान 8 आरसेटी ने कार्य करना आरंभ कर दिया है. इन आरसेटी ने 231 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए और इन कार्यक्रमों में विभिन्न क्रियाकलापों के लिए 6063 युवकों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया.

बैंक ने गुजरात तथा छत्तीसगढ़ राज्य में अपने अग्रणी जिलों में देना आरसेटी के परिचालन तथा रख-रखाव के लिए वर्ष के दौरान रू.100 लाख की पूंजी का और अंशदान किया है.

बालिकाओं की शिक्षा का प्रायोजन

कार्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी के भाग के रूप में बैंक ने देना लक्ष्मी शिक्षा प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत बैंक के सेवा क्षेत्र के गांवों में बालिकाओं की शिक्षा का प्रायोजन किया है. इस योजना के अंतर्गत बैंक के कमान क्षेत्र के गांवों में प्रत्येक स्कूल से 7वीं कक्षा में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करनेवाली गरीबी रेखा से नीचे की छात्राओं को बैंक प्रतिवर्ष क्रमश: रू.2000/- और रू.1500/- की छात्रवृत्ति प्रदान करता है. बैंक ने अब तक इस योजना के अंतर्गत 1856 बालिकाओं को छात्रवृत्ति प्रदान की है.

भावी योजनाएं

2010-11 के दौरान अर्थव्यवस्था में तेजी बनी रहेगी जिसके साथ ऋणों में वृद्धि होगी. वित्तीय समावेशन मुख्य कार्यक्रम रहेगा, जिस पर सरकार की वरीयताओं के अनुसार कार्य करना होगा. बुनियादी सुविधा वाले क्षेत्र से बढ़ती ऋण की मांग के कारण आस्ति देयता विसंगति पर ध्यान देना होगा. 01.07.2010 से बी पी एल आर प्रणाली से आधार दर प्रणाली में परिवर्तन करना एक प्रमुख चुनौती रहेगी और इन सबसे बढ़कर, उद्योग में बढ़ती प्रतियोगिता के कारण नए ग्राहक प्राप्त करना और पुराने ग्राहकों को अपने साथ बनाए रखना एक बड़ी चुनौती वाला कार्य रहेगा. यह चुनौतियां 2010-11 के दौरान और उसके आगे का रास्ता तय करेंगी.

बैंक ने स्वयं को इन चुनौतियों के लिए तैयार किया है और पिछले वर्ष की तरह ही सुनियोजित दृष्टिकोण अपनाएगा. आप इस बात से सहमत होंगे की पिछले वर्ष बैंक की कार्यप्रणाली के अच्छे परिणाम मिले हैं और मुझे विश्वास है कि हम नई चुनौतियों का भी सामना कर पाएंगे.

समग्र रूप में वर्तमान वर्ष के दौरान भी लघु मध्यम उद्यम, रिटेल तथा कृषि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया जाएगा. कासा जमाओं के स्तर में वृद्धि ब्याजेतर आय में वृद्धि, बट्टे खाते डाले गए खातों में आक्रामक वसूली प्रयास, किसी एक क्षेत्र में जोखिम एकत्र होने से रोकने पर विशेष ध्यान देते हुए आस्ति गुणवत्ता में सुधार आदि बैंक की कार्ययोजना के महत्त्वपूर्ण भाग हैं. एक क्षेत्र जिसमें बैंक विशेष ध्यान देना चाहेगा, वह है शुल्क आधारित आय, कमीशन आदि उत्पन्न करनेवाले बैंक के अपने उत्पादों तथा अन्य पक्ष के उत्पादों के बेहतर विपणन से शुल्क आधारित आय में वृद्धि करना.

Corporate Social Responsibilities

Rural Self Employment Training Institute (RSETIs)

Dena Bank has set up a society known as Dena Rural Develoment Foundation (DRDF) with a initial corpus of Rs. 50 lacs to take up various initiatives in rural development. DRDF in turn has established 11 Rural Self Employment Training Institutes (RSETIs) in its lead districts of Gujarat and Chhattisgarh, where bank is shouldering the responsibility of lead bank. Out of these 11 RSETIs, 8 RSETIs were operationalised during the financial year 2009-10 . These RSETIs have organised 231 training programmes and have imparted training to 6063 youth for various activities.

The Bank has further contributed to Rs. 100 lacs to the corpus of DRDF during the year for running and maintenance of Dena RSETIs in Bank's lead districts.

Sponsoring Education of Girl Child

As a part of Corporate Social Responsibility, the Bank under Dena Laxmi Shiksha Protsahan Yojana sponsor education of Girl students in the villages served by the Bank. Under the scheme Bank provides scholarship of Rs. 2000/- and Rs.1500/- per annum to identified girl students belonging to Below Poverty Line (BPL) family, to be selected from each of the schools based on first and second rank respectively secured in 7th Standard, from the villages under the command area of the Bank. The Bank has so far provided scholarships to 1856 girl students under the scheme.

The Road Ahead

The economy is expected to be vibrant during 2010-11 with marked improvement in credit pick-up. Financial inclusion will be a major program that needs to be attended to in line with the priorities set by Government of India. Increasing demand for credit from infrastructure sector may necessitate a relook at asset liability mis-matches. The switch over from BPLR regime to Base Rate regime from 1st July, 2010 will also be a major challenge. Above all, the challenge of acquiring new and retaining existing customers will be a huge task in the midst of ever growing competition in the industry. These challenges will determine the path to be traversed during 2010-11 and beyond.

The Bank has prepared itself for these challenges and will follow a fine tuned strategic approach as in the last year. You will all agree that the Bank's approach last year has yielded good results and I am confident that the new challenges will also be overcome.

Broadly speaking, during the current year also, the thrust areas of SME, Retail and Agriculture will continue to be in focus. Enhancing CASA deposits level, augmenting non-interest income, aggressive recovery efforts in addressing the written-off accounts, improvement in asset quality with emphasis on avoidance of concentration risk etc. will constitute important action points of the Bank's strategies. One area where the Bank will focus very sharply is increase in fee based income through better marketing of bank's own products that generate fee based income, commission etc. as well as distribution of third party products.

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का वक्तव्य CHAIRMAN & MANAGING DIRECTOR'S STATEMENT

बैंक ने साख सुपुर्दगी प्रणाली तथा दक्षता में सुधार के लिए निम्नलिखित उपाय किए हैं.

1. कार्पोरेट कारोबार तथा औद्योगिक वित्त शाखाओं के माध्यम से कार्पोरेट ग्राहकों की आवश्यकताएं पूरी करने पर ध्यान केंद्रित करना. बैंक ने 4 कार्पोरेट कारोबार शाखाएं और 2 औद्योगिक वित्त शाखाएं खोली हैं जिनमें से दो कार्पोरेट कारोबार शाखाएं वर्ष 2009-10 के दौरान खोली गईं. लघु मध्यम उद्यम ग्राहकों के लिए हब एवं स्पोक्स मॉडल के भाग के रूप में विभिन्न क्षेत्रीय कार्यालयों में 15 केंद्रीकृत प्रोसेसिंग केंद्र स्थापित किए हैं. रिटेल ग्राहकों की आवश्यकताएं पूरी करने के लिए बैंक ने 12 रिटेल आस्ति शाखाएं स्थापित की हैं. जिनमें से वर्ष के दौरान 8 शाखाओं ने कार्य करना आरंभ किया.
2. काउंटर पर कार्यरत स्टाफ सदस्यों को ग्राहक उन्मुखी प्रशिक्षण देना तथा बेहतर ग्राहक सेवा के लिए उत्पादों के बारे में उनके ज्ञान में वृद्धि करना.

वर्ष 2009-10 के लिए निदेशकों की रिपोर्ट, तुलन पत्र तथा लाभ एवं हानि लेखा का अवलोकन करने पर मुझे विश्वास है कि आप लोग इस बात की सराहना करेंगे की बैंक के निदेशक मंडल, प्रबंधवर्ग तथा सभी वर्गों के कर्मचारियों द्वारा शेयरधारकों की भावनाओं का आदर किया गया है.

मुझे विश्वास है कि वर्तमान वर्ष के दौरान अनेक चुनौतियों के बीच बैंक को आगे बढ़ाने में बैंक के प्रबंधन को आपका निरंतर समर्थन और संरक्षण प्राप्त होता रहेगा.

आभार

मैं बैंक के सम्मानित ग्राहकों, शेयरधारकों तथा शुभचिंतकों को बैंक की प्रगति में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए अपना धन्यवाद व्यक्त करता हूं तथा भविष्य में भी उनके सतत समर्थन एवं सहयोग की अपेक्षा करता हूं.

मैं भारत सरकार तथा भारतीय रिज़र्व बैंक से प्राप्त समयोचित सलाह, महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं समर्थन के लिए भी आभार व्यक्त करता हूं.

स्टाफ सदस्यों के सभी स्तरों पर दिए गए महत्वपूर्ण योगदान के प्रति भी मैं आभार व्यक्त करता हूं, जिनके सहयोग के बिना बैंक द्वारा की गई प्रगति संभव नहीं होती. मैं बैंक के त्वरित कारोबार विकास तथा प्रगति में आपसे निरंतर सहयोग की आशा रखता हूं.

डी. एल. रावल

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक

To improve the credit delivery system and efficiency Bank has taken the following initiatives:

1. Focus on catering to needs of corporate clients through the Corporate Business and Industrial Finance branches. Bank has opened 4 Corporate Business Branch and Two Industrial Finance Branches of which two Corporate Business Branches were opened during the year 2009-10. For SME clients 15 centralized processing centres are set up at various regional offices as part of the Hub & Spokes Model. In order to cater to the Retail clients Bank has set up 12 Retail Asset Branches out of which 8 were operationalised during the year.
2. Customers centric grooming of front line staff along with training to enhance their products' knowledge for better customer service.

Upon perusing the Directors' Report, the Balance Sheet and the Profit and Loss Account for the year 2009-10, I am sure that you will appreciate that the shareholders' sentiments have been respected by the bank's Board, Management and all sections of the employees.

I hope the Management will continue to have the privilege of your continued support and patronage in steering the Bank amidst innumerous challenges during the current year.

Acknowledgements

I express my sincere thanks to the Bank's valued customers, shareholders and well wishers for their valuable contribution to the progress of the Bank and seek their continued support and co-operation in future.

I acknowledge with gratitude, the timely advice, valuable guidance and support received from Government of India and Reserve Bank of India. I am also thankful to the Financial Institutions / Banks and Correspondents for their cooperation and support to the Bank.

I wish to place on record, the deep appreciation of the valuable contribution of the staff, at all levels, without which the progress achieved, would have been unattainable. I look forward to your continued cooperation in faster business development and progress of the Bank.

D.L. Rawal

Chairman & Managing Director